

FAX

संख्या- 01 / प्रा0आ0-10 / 2013 / 1282 / आ0प्र0

बिहार सरकार
आपदा प्रबंधन विभाग

प्रेषक,

अनिरुद्ध कुमार,
अपर सचिव।

सेवा में,

जिला पदाधिकारी,
पटना / सहरसा / कैमूर / भोजपुर / मुजफ्फरपुर / सिवान / बांका / भागलपुर /
मधेपुरा / गया / शिवहर / सीतामढ़ी।

विषय:-

उत्तराखंड त्रासदी में लापता / मृत व्यक्तियों की उत्तराखंड सरकार को विहित प्रपत्र में सूचना उपलब्ध कराने के संबंध में।

पटना-15, दिनांक- 9/4/14

महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि आप के जिले से संबंधित उत्तराखंड त्रासदी में लापता / मृत लोगों की सूची जो आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार, पटना को प्राप्त करायी गई है, वह RGI Guideline के तहत पूर्ण नहीं है। जबकि उत्तराखंड द्वारा मृत्यु पंजीकरण, मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत करने एवं अनुग्रह अनुदान हेतु RGI Guideline के अनुसार सभी वांछित कागजात / जाँच प्रतिवेदन अनिर्वाय है।

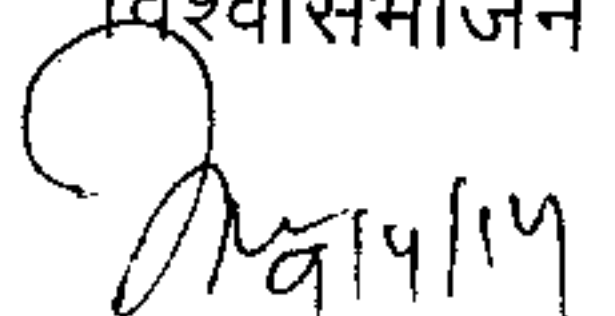
अतः अनुरोध है कि विभागीय पत्रांक 2881 दिनांक-12.07.2013 के कंडिका (1) में दिये गए निदेश एवं रजिस्टार जनरल ऑफ इण्डिया के पत्रांक 1/2/(उत्तराखंड)/2011-VS-CRS, दिनांक-16-8-2013 ([rbidocs.rbi.org.in/rdocs/content/PDFs/CID211013FR-A.PDF link](http://rbidocs.rbi.org.in/rdocs/content/PDFs/CID211013FR-A.PDF) पर देखा जा सकता है।) के अलोक में लापता / मृत व्यक्तियों से संबंधित प्रतिवेदन पूर्ण रूप से सभी वांछित सूचनाओं के साथ पत्र निर्गत करने के तिथि से 15 दिनों के अंदर आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार, पटना को भेजने की कृपा की जाय, ताकि प्रतिवेदन उत्तराखंड सरकार को भेजी जा सके।

ज्ञातव्य है कि विभागीय पत्रांक-4937 दिनांक-11.11.2013, द्वारा पूर्व में भी सभी पत्रों में वांछित सूचनाओं की मांग आप से की गई थी, जो अभी तक अप्राप्त / अपूर्ण प्राप्त हुआ है।

अतः आपसे अनुरोध है कि व्यक्तिगत ध्यान देकर अपनी जिले से संबंधित लापता / मृत व्यक्तियों की पूर्ण सूचना उपर्युक्त निदेश के आलोक में भेजने की कृपा की जाय।

सुलभ प्रसंग हेतु आपकी जिले से संबंधित उत्तराखंड आपदा में लापता / मृतक व्यक्तियों की सूची पत्र के साथ संलग्न कर भेजी जा रही है।

- अनु0-1. जिलों से संबंधित लापता / मृतकों की सूची
2. विभागीय पत्रांक 2881 दिनांक-12.07.13 की प्रति
3. RGI Guideline (RGI) की प्रति

विश्वासभाजन

(अनिरुद्ध कुमार)
अपर सचिव

राज्य के जिले से संबंधित उत्तराखंड त्रासदी में लापता/मृत व्यक्तियों की सूची :-

क्र०	जिला का नाम	लापता/मृतक का नाम	पिता/पति का नाम
1	पटना	संजू झा	श्री डी०एस०झा
2		तेज सिन्हा	श्री सुदेश सिन्हा
3		श्रीता कुमारी	श्री सुधीश चन्द्र सिंह
4		सुधा सिन्हा	श्री सुधीश चन्द्र सिंह
5		अदभूत	श्री श्रीतेश सिन्हा
6		सुबोध मिश्रा	श्री हरि राज मिश्रा
7		संगीता मिश्रा	श्री सुबोध मिश्रा
8		भिखारी गिरी	स्व० रामजीवन गिरी
9		विवेक कुमार उर्फ सिकन्दर	श्री राज वल्लभ प्रसाद
10		जयराम शर्मा	श्री जयनन्दन ठाकुर
11	सहरसा	शंभु साह	श्री शंकर साह
12		अंजु देवी	श्री शंभु साह
13		प्रणव कुमार	श्री शंभु साह
14		रोहित कुमार	श्री शंभु साह
15		रवि राज	श्री शंभु साह
16		स्व० बाबूलाल दास	स्व० शंकर लाल दास
17	कैमूर	जोखु सेठ	श्री लोचन सेठ
18		श्रीमती लिलावती देवी	श्री जोखु सेठ
19		श्री शर्मा कुँवर	स्व० बनारसी सिंह
20		राजमुन्नी देवी उर्फ मुन्नी मिश्रा	स्व० किशोरी मिश्रा
21	भोजपुर	श्री जगन्नाथ साह	स्व० रामजनम साह
22		श्रीमती सुमित्रा देवी	श्री जगन्नाथ साह
23		राजेश्वर ठाकुर	स्व० बसंत ठाकुर
24		चन्द्रदेव ठाकुर	जगन्नाथ ठाकुर
25	मुजफ्फरपुर	जगन्नाथ प्रसाद	श्री मिश्री लाल
26		सुमित्रा देवी	श्री जगन्नाथ प्रसाद
27		अनुराधा देवी	श्री अनिल कुमार चौरसिया
28		पंकज कुमार आर्य	श्री जयप्रकाश आर्य
29		ललिता देवी	श्री जयप्रकाश आर्य
30	सिवान	श्री शिवदयाल सिंह	स्व० रामनरेश
31		श्रीमती जगनिया देवी	श्री सोमेश्वर यादव
32		ज्ञानदेव झा	चन्द्रधारी झा
33	बांका	श्री रमणजी तिवारी	स्व० विद्याधर तिवारी
34	भागलपुर	श्री दिनेश चन्द्र झा	श्री जालन्धर प्रसाद झा
35	मधेपुरा	श्री देव किशोर सिंह	श्री पितम्बर सिंह
36	सीतामढी	कौशल्या देवी	श्री खुशीलाल साह
37	शिवहर	लक्ष्मी नारायण सिंह	स्व० रामवृक्ष सिंह
38		रेशमी देवी	श्रीमती रूपकला देवी
39	गया	द्वारिका प्रसाद	स्व० शिव वल्लभ महतो

पत्रांक 1/प्रा0आ0-0-3-42/2013...../आ0प्र0

बिहार सरकार
आपदा प्रबंधन विभाग

संकल्प

विषय: माह जून 2013 में उत्तराखंड में घटित प्राकृतिक आपदा की घटना में राज्य के मृत व्यक्तियों के आश्रितों को अनुग्रह अनुदान उपलब्ध कराने के संबंध में।

राज्य में घटित प्राकृतिक आपदा के लिए राहत देय है एवं इसके लिए मानदर निर्धारित है। वर्तमान में राज्य के बाहर घटित घटनाओं के लिए अनुग्रह अनुदान के भुगतान के संबंध में कोई स्पष्ट दिशा निर्देश नहीं है। हाल में उत्तराखंड राज्य में घटित घटना में बिहार के बहुत से निवासी मृत/घायल हुए हैं। उक्त घटना में मृत व्यक्तियों के आश्रितों को अनुग्रह अनुदान देना समीचीन है।

2. राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि जून 2013 में उत्तराखंड में घटित प्राकृतिक आपदा की घटना में राज्य के मृत व्यक्तियों के आश्रितों को ₹1.00 लाख (एक लाख रुपये) का अनुग्रह अनुदान उपलब्ध कराया जाय। उक्त अनुग्रह अनुदान के भुगतान की प्रक्रिया निम्नानुसार होगी:-

(i) मृतकों के परिजनों से मृत्यु की सूचना उत्तराखंड से निर्गत मृत्यु प्रमाण-पत्र के साथ प्राप्त होने की स्थिति में उचित पहचान कर संबंधित जिला पदाधिकारी के द्वारा अनुग्रह अनुदान उपलब्ध कराया जायेगा।

(ii) परन्तु ऐसे मामले जिनमें मृत्यु प्रमाण-पत्र उपलब्ध नहीं हो, के संबंध में मृतक के परिजनों से मृत्यु संबंधी शपथ पत्र प्राप्त कर संबंधित व्यक्ति के फोटो के साथ समाचार पत्रों में उक्त व्यक्ति के उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदा में मृत होने की सूचना जिला पदाधिकारी द्वारा प्रकाशित करायी जायेगी तथा 30 दिनों तक प्रतीक्षा की जायेगी। उक्त अवधि में संबंधित व्यक्ति के जीवित होने की सूचना प्राप्त नहीं होने पर मृतक के आश्रित को अनुग्रह अनुदान संबंधित जिला पदाधिकारी द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा।

3. इस पर हुई व्यय की राशि राज्य कोष से वहन की जायेगी एवं मुख्य शीर्ष-2245-प्राकृतिक विपत्ति के कारण राहत, उपमुख्य शीर्ष- 02- बाढ़ चक्रवात

आदि , लघु शीर्ष-101- अनुग्रहिक राहत, समूह शीर्ष- गैर योजना के अन्तर्गत उप शीर्ष- 0015- राज्य के बाहर की घटनाओं में मृत्यु एवं घायल होने पर प्रभावित व्यक्तियों / परिवारों को अनुग्रह अनुदान से विकलनीय होगी।

4. यह आदेश तत्काल प्रभावी होगा।

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को बिहार गजट के आगामी असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय।

बिहार राज्यपाल के आदेश से

ह0/-

(व्यास जी)

प्रधान सचिव

ज्ञापांक/आ0प्र0

पटना-15, दिनांक-

प्रतिलिपि: महालेखाकार, बिहार, वीरचन्द्र पटेल पथ, पटना- को सूचनार्थ प्रेषित।

ह0/-

(व्यास जी)

प्रधान सचिव

ज्ञापांक/आ0प्र0

पटना-15, दिनांक-

प्रतिलिपि: सरकार के सभी प्रधान सचिव/ सभी सचिव/ सभी विभागाध्यक्ष/ सभी प्रमंडलीय आयुक्त/ सभी जिला पदाधिकारी/ सभी कोषागार पदाधिकारी महानिबंधक उच्च न्यायालय, पटना/ सचिव, बिहार विधान सभा/ सचिव बिहार विधान परिषद्, पटना को सूचनार्थ प्रेषित।

ह0/-

(व्यास जी)

प्रधान सचिव

ज्ञापांक/आ0प्र0

पटना-15, दिनांक-

प्रतिलिपि: अधीक्षक, राजकीय प्रेस, सचिवालय मुद्रणालय, गुलजारबाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित। अनुरोध है कि उक्त संकल्प की 500 (पाँच सौ) प्रति मुद्रित कर विभाग को उपलब्ध कराया जाय।

ह0/-

(व्यास जी)

प्रधान सचिव

प्रधान सचिव
(आस जी)
२/११/१४

आई०टी० सेक्टर को सर्वनाथ एवं आशुतोष क कार्यालय प्रेषित ।
प्रतिनिधि: विभागीय सची प्रधान सचिव / प्राधिकारी / प्रधान सचिव के प्रधान सचिव /
कापक / आशुतोष १४४४
पटना-१५, दिनांक- १०/११/१४

प्रधान सचिव
(आस जी)
- / ०३

प्रतिनिधि: विभागीय सची के आस जी के प्रधान सचिव को सर्वनाथ प्रेषित ।
कापक / आशुतोष
पटना-१५, दिनांक-

प्रधान सचिव
(आस जी)
- / ०३

प्रतिनिधि: मुख्य सचिव के विशेष कार्य प्राधिकारी को सर्वनाथ प्रेषित ।
कापक / आशुतोष
पटना-१५, दिनांक-

410

The missing persons can be divided into the following categories:
(i) Permanent residents of the flood affected villages and permanent residents of the nearby villages of Uttarakhand who were present in the flood affected villages during the catastrophe.
(ii) Residents of other districts of Uttarakhand who were present in the flood affected villages during the catastrophe.

Process

in this regard:

4. In case of missing persons, who in all likelihood have died but the dead body is not traceable, all reasonable efforts should be made to determine that the person has in all likelihood died in the natural calamity that occurred in Uttarakhand. The following process of enquiry may be followed

3. As regards persons whose dead body has been found, it is needless to state that the normal process of issuing Death Certificates should be followed.

2. As per the provision of Section 7(2) of the Registration of Births and Deaths (RBD) Act, 1969, the registration of birth and death has to take place at the place of occurrence of the event. In normal circumstances, the death is registered only on the reports from persons mentioned in section 8 of the RBD Act, 1969. However, in extraordinary cases like the one in Uttarakhand, reports from public servants after due enquiry can be made use of for registering the deaths.

The Inter Ministerial Group (IMG) on Uttarakhand headed by the Cabinet Secretary in its meeting held on 2.08.2013, has requested the Registrar General and Census Commissioner, India to formulate a standard procedure for issuing death certificate after due inquiry in case of the missing persons of Uttarakhand and other States. Accordingly, the following procedure is communicated for necessary action by the concerned Chief Registrars of Births and Deaths.

Sub: Procedure for Registration of Death of Missing persons in Natural Calamities affected areas in Uttarakhand.

CIRCULAR

Dated 16-08-2013

F.No./No.1/2/(Uttarakhand)/2011-VS-CRS
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF HOME AFFAIRS
OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA
V.S. Division, West Block -I, R.K. Puram, New Delhi - 110066
Tele-fax: 26104012 E-mail - dtg-crs.rgi@censusindia.gov.in



- (iii) Tourists from other States who were present in the flood affected villages during the catastrophe.

Process to be followed in the case of permanent residents of the flood affected villages and permanent residents of the nearby villages of Uttarakhand who were present in the flood affected villages during the catastrophe.

1. A FIR/Missing Person Report should be filed by close relatives or next of kin at the place of residence of the person who is missing and presumed dead.
2. The FIR/Missing Person Report should be referred to the concerned Police Station under whose jurisdiction the person went missing. Notarised Affidavit regarding 'missing' should be filed by next of kin and should be kept as a permanent record.
3. The FIR/Missing Person Report should then be forwarded to the designated officer (Pargana Adhikari/SDM) of the concerned area in Uttarakhand along with report of Police Station and supporting documents for identification like ration card, family register, bank passbook etc.
4. The designated Officer should conduct a detailed enquiry regarding the missing person.
5. Based on the enquiry as detailed above the designated officer of Uttarakhand should issue a speaking order regarding the provisional presumption of death.
6. The Designated Officer should then cause publication of the list of missing persons provisionally presumed dead in the Newspaper, Government Gazette in Hindi and English and also host the same on the Government Website for the purpose of obtaining Claims and Objections.
7. Claims and Objections should be received within 30 days
8. If no claim or objection is received within the time period, the Designated Officer should issue the Death Certificate.
9. The death certificate should be made available free of cost to the next of kin. The death certificate should also be sent to the Police Station where the FIR/Missing Person Report was filed.
10. In case of Claims and Objections, an appeal would lie with the Officer immediately superior to the Designated Officer (to be nominated by the State Government). After dealing with the appeal, speaking Orders should be sent to the Designated Officer who would then take appropriate action to issue the death certificate or deny it.



**Process to be followed in case of residents of other districts of
Uttarakhand who were present in the flood affected villages during the
catastrophe**

1. 'FIR/Missing Person Report' should be filed by close relatives or next of kin at the place of residence in the originating district.
2. If FIR/Missing Person Report has already been filed in calamity affected areas of Uttarakhand, the designated officer should forward the same to the designated Officer/SHO of the police station at the place of usual residence in the district of origin of the missing person, for local enquiry at their end.
3. Notarised Affidavit regarding 'missing' to be filed by next of kin and to be kept as a permanent record.
4. The enquiring officer in the originating district should conduct enquiry to establish the following facts:
 - a) That the family members or relatives or friends of the person concerned had filed FIR/Missing Person Report well in time (before 30th June, 2013). If it is beyond, this time limit, the reasons for approaching the police late should be enquired.
 - b) That the person concerned had travelled to the affected areas of Uttarakhand before 16th June, 2013.
 - c) That the person has been missing after his departure for affected district.
 - d) The enquiry report should be sent to the concerned Designated Officer at the affected areas of Uttarakhand.
5. Based on the enquiry report of the officer in the originating district, the Designated Officer in affected areas of Uttarakhand should further enquire into the fact of disappearance of the persons concerned, by looking into the database of missing persons maintained by the missing persons cell at Dehradun by the State Government. He should also take into account all available information including the Statements of witnesses if any and last call data and other relevant data from mobile phone service providers to arrive at a conclusion regarding the death of the person. All available evidences may be taken into consideration before concluding whether the person has died or not. This may include police reports, enquiries from relief camps and affidavit submitted by the close relatives/next of kin etc.
6. Based on the enquiry as detailed above the designated officer of affected areas may issue a speaking order regarding the provisional presumption of death. This order should be communicated to the Designated Officer in the Originating district.
7. On receipt of such Order, the Designated Officer in the originating district should cause publication of the list of missing persons presumed dead in the Newspaper, Government Gazette in Hindi and English and

"Ensure Registration of Every Birth and Death"



also host the same on the Government Website for the purpose of Claims and Objections.

8. Claims and Objections may be received within 30 days
9. If no claim or objection is received within the time period, the Designated Officer in the originating district should send a report to the designated Officer in affected areas of Uttarakhand.
10. Based on this report, the Designated Officer in affected areas of Uttarakhand should issue the Death Certificate.
11. The death certificate should be made available free of cost to the next of kin. The death certificate should also be sent to the Police Station where the FIR/Missing Person Report was filed and to the designated officer in the originating district.
12. In case of Claims and Objections, an appeal would lie with the Officer immediately superior to the Designated Officer (to be nominated by the State Government). After dealing with the appeal, speaking Orders should be sent to the Designated Officer in affected areas of Uttarakhand, who would then take appropriate action to issue the death certificate or deny it.

Process to be followed in case of Tourists from other States who were present in the flood affected villages during the catastrophe.

1. FIR/Missing Person Report', to be filed by close relatives or next of kin at the place of residence in the originating State.
2. If FIR/Missing Person Report have already been filed in Uttarakhand, the designated officer of Uttarakhand should forward the same to the designated Officer/SHO of the police station at the place of usual residence in the State of origin of the missing person, for local enquiry at their end.
3. Notarised Affidavit regarding 'missing' to be filed by next of kin and to be kept as a permanent record.
4. The enquiring officer in the originating State should conduct enquiry to establish the following facts:
 - a) That the family members or relatives or friends of the person concerned had filed FIR/Missing Person's Report well in time (before 30th June, 2013). If it is beyond, this time limit, the reasons for approaching the police late should be enquired.
 - b) That the person concerned had travelled to Uttarakhand before 16th June, 2013.
 - c) That the person has been missing after his departure for Uttarakhand. For arriving at his conclusion, the enquiry officer should also verify with reference to the database maintained for this purpose by the Resident Commissioner of the originating State Government at New Delhi or the authorised officers of the State Government who had camped at



Dehradun during June 2013 to conduct enquiries on missing persons from their States.

- d) The enquiry report should be sent to the concerned Designated Officer at Uttarakhand.
5. Based on the enquiry report of the officer in the originating State, the Designated Officer in Uttarakhand should further enquire into the fact of disappearance of the persons concerned, by looking into the database of missing persons maintained by the missing persons cell at Dehradun by the State Government. He should also take into account all available information including the Statements of witnesses if any and last call data and other relevant data from mobile phone service providers to arrive at a conclusion-regarding the death of the person. All available evidences may be taken into consideration before concluding whether the person has died or not. This may include police reports, enquiries from relief camps and affidavit submitted by the close relatives/next of kin etc.
6. Based on the enquiry as detailed above the designated officer of Uttarakhand may issue a speaking order regarding the provisional presumption of death. This order should be communicated to the Designated Officer in the Originating State.
7. On receipt of such Order, the Designated Officer in the originating State should cause publication of the list of missing persons presumed dead in the Newspaper, Government Gazette in the local language of the State and English and also host the same on the Government Website for the purpose of Claims and Objections.
8. Claims and Objections may be received within 30 days
9. If no claim or objection is received within the time period, the Designated Officer in the originating State should send a report to the designated Officer in Uttarakhand.
10. Based on this report, the Designated Officer in Uttarakhand should issue the Death Certificate.
11. The death certificate should be made available free of cost to the next of kin. The death certificate should also be sent to the Police Station where the FIR/Missing Person Report was filed and to the designated officer in the Originating State.
12. In case of Claims and Objections, an appeal would lie with the Officer immediately superior to the Designated Officer (to be nominated by the originating State Government). After dealing with the appeal, speaking Orders should be sent to the Designated Officer in Uttarakhand, who would then take appropriate action to issue the death certificate or deny it.



4. For enabling this process the designated Officer (Pargana Adhikari/SDM) in Uttarakhand may be declared as a Registrar of Death under Section 7(1) of the Registration of Births and Deaths (RBD) Act, 1969. In all the above cases, registration of death may be done at the place of occurrence of death/presumed death in accordance with provision made under Section 7(2) of RBD Act.

S/d
(P. A. Mini)
Deputy Registrar General

To,

The Chief Registrar of Births & Deaths and
Secretary, Medical, Health & Family Welfare,
Chander Nagar,
Uttarakhand,
DEHRADUN-248 001.

